

न
जो पिता 11 मा।
वह है नृपाल 25
परा गी लो वह 125V
दिनांक 03.12.25 को पेश है
(राधेन्द्र काछवाल)
सेशन न्यायाधीश
राजसमन्द

03.12.25 :- पक्षकाराने ऊच्च. नृका. उपा
की गान P.O. साहबे अवकाशी पर
पकारे है।

पशावली नृका नुसार वास्ते बहस
निगारानी दे 23.03.26 को पेश

हो 17
सेशन न्यायाधीश
राजसमन्द

23/3/26

[Handwritten signature]

पशावली नृका नुसार वास्ते बहस
निगारानी दे 23.03.26 को पेश
हो 17
सेशन न्यायाधीश
राजसमन्द

ख
म

53/25 नि.को.
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
निलेश बोस / राज्य

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

श्री
126

जिसे जाने का निर्देश (विप. मन्त्र)
व्यंग्य ही यह निर्देशनी कर्मचारी की
आर के प्रारंभ का निर्देशनी याचिका
को उनके माध्यमता द्वारा प्रेस
तही करते से निर्देशनी याचिका
Not press से वापस की
जाती है)

विभाग 2C परावर्तनी माफे (श्री)
नी जति को नाम मा. वि. मन्त्र पुनः
लक्ष्य जावे।

परावर्तनी मन्त्र आर ही अमल
कर्म होने की पुनः प्रतिपद
लेख अजगा है) *समस्त*

23/3/26
सेशन न्यायाधीश
राजसमन्द

PM

211 पत्रावली
D.No 357
24.3.26